



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 237]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 25, 1983/आषाढ़ 4, 1905

No. 237]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 25, 1983/ASADHA 4, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

**नौवहन और परिवहन मंत्रालय**

(परहन पक्ष)

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 25 जून, 1983

क्र० आ० 510(अ):—विशाखापत्तनम बन्दरगाह यान (संशोधन) नियम, 1982 का प्राप्त भारतीय परहन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परहन पक्ष) की अधिसूचना सं० सा०का० नि० 456 तारीख 29 अप्रैल, 1982 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2 खंड 3, उपखंड (1) तारीख 15 मई, 1982 के पृष्ठ 1125 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी,

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 22 मई, 1982 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी,

और पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व जनता से कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए है,

378 GI/83

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विशाखापत्तनम बन्दरगाह यान (संशोधन) नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगी।

2. विशाखापत्तनम बन्दरगाह यान नियम, 1950 के नियम 13 के उपनियम (2 क) में विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि इस उपनियम में अंतर्निहित कोई बात, मैसर्स हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड से संबंधित और उसके द्वारा नियंत्रित एल०सी० “बालचंद” और एम० एल “टिन्नेटि” बन्दरगाह यानों को, जो उत्तरी और दक्षिणी किनारों के बीच शांत सागर खंड में भीतरी बन्दरगाह के अन्दर यात्रियों को ले जाने हैं, लागू नहीं होंगी।

[सं०पी० डब्ल्यू पी०जी० एल०-41/81]

दिनेश कुमार जैन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING &amp; TRANSPORT

(Ports Wing)

## NOTIFICATION

New Delhi the 25th June 1983

**G.S.R. 510(E).**—Whereas the draft of the Visakhapatnam Harbour Craft (Amendment) Rules, 1982 was published as required by sub-section (2) of section 5 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) at page 1125 of the Gazette of India Part II Section 3, Sub-section (ii), dated the 15th May, 1982, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing), No. G.S.R. 456, dated the 29th April 1982, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 22nd May, 1982,

And whereas no objections and suggestions have been received from the public before the expiry of the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (k) of sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. (1) These rules may be called the Visakhapatnam Harbour Craft (Amendment) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Visakhapatnam Harbour Craft Rules, 1950, in sub-rule (2a) of rule 13, for the existing proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided that nothing contained in this sub-rule shall apply to the harbour crafts L. C. ‘WAI CHAND’ and M.T. ‘BINNEFI’, belonging to and controlled by M/s Hindustan Shipyard Ltd, carrying passengers within the Inner Harbour in smooth waters between the North and South banks”.

D. K. JAIN, Jt Secy.